

1ST AND 2ND DEGREE PROCESSING AND PROPERTIES INDEX 1ST AND 2ND DEGREE

CA

Apparatus for drawing sheet glass. I. I. Kitalgorodskii, S. I. Korolev, and T. D. Koroleva. U.S.S.R. 60,012, Aug. 31, 1947. M. II.

19

DETAILS OF LITERATURE CLASSIFICATION

FROM SOURCE

1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765 2766 2767 2768 2769 2770 2771 2772 2773 2774 2775 2776 2777 2778 2779 2780 2781 2782 2783 2784 2785 2786 2787 2788 2789 2790 2791 2792 2793 2794 2795 2796 2797 2798 2799 2800 2801 2802 2803 2804 2805 2806 2807 2808 2809 2810 2811 2812 2813 2814 2815 2816 2817 2818 2819 2820 2821 2822 2823 2824 2825 2826 2827 2828 2829 2830 2831 2832 2833 2834 2835 2836 2837 2838 2839 2840 2841 2842 2843 2844 2845 2846 2847 2848 2849 2850 2851 2852 2853 2854 2855 2856 2857 2858 2859 2860 2861 2862 2863 2864 2865 2866 2867 2868 2869 2870 2871 2872 2873 2874 2875 2876 2877 2878 2879 2880 2881 2882 2883 2884 2885 2886 2887 2888 2889 2890 2891 2892 2893 2894 2895 2896 2897 2898 2899 2900 2901 2902 2903 2904 2905 2906 2907 2908 2909 2910 2911 2912 2913 2914 2915 2916 2917 2918 2919 2920 2921 2922 2923 2924 2925 2926 2927 2928 2929 2930 2931 2932 2933 2934 2935 2936 2937 2938 2939 2940 2941 2942 2943 2944 2945 2946 2947 2948 2949 2950 2951 2952 2953 2954 2955 2956 2957 2958 2959 2960 2961 2962 2963 2964 2965 2966 2967 2968 2969 2970 2971 2972 2973 2974 2975 2976 2977 2978 2979 2980 2981 2982 2983 2984 2985 2986 2987 2988 2989 2990 2991 2992 2993 2994 2995 2996 2997 2998 2999 3000 3001 3002 3003 3004 3005 3006 3007 3008 3009 3010 3011 3012 3013 3014 3015 3016 3017 3018 3019 3020 3021 3022 3023 3024 3025 3026 3027 3028 3029 3030 3031 3032 3033 3034 3035 3036 3037 3038 3039 3040 3041 3042 3043 3044 3045 3046 3047 3048 3049 3050 3051 3052 3053 3054 3055 3056 3057 3058 3059 3060 3061 3062 3063 3064 3065 3066 3067 3068 3069 3070 3071 3072 3073 3074 3075 3076 3077 3078 3079 3080 3081 3082 3083 3084 3085 3086 3087 3088 3089 3090 3091 3092 3093 3094 3095 3096 3097 3098 3099 3100 3101 3102 3103 3104 3105 3106 3107 3108 3109 3110 3111 3112 3113 3114 3115 3116 3117 3118 3119 3120 3121 3122 3123 3124 3125 3126 3127 3128 3129 3130 3131 3132 3133 3134 3135 3136 3137 3138 3139 3140 3141 3142 3143 3144 3145 3146 3147 3148 3149 3150 3151 3152 3153 3154 3155 3156 3157 3158 3159 3160 3161 3162 3163 3164 3165 3166 3167 3168 3169 3170 3171 3172 3173 3174 3175 3176 3177 3178 3179 3180 3181 3182 3183 3184 3185 3186 3187 3188 3189 3190 3191 3192 3193 3194 3195 3196 3197 3198 3199 3200 3201 3202 3203 3204 3205 3206 3207 3208 3209 3210 3211 3212 3213 3214 3215 3216 3217 3218 3219 3220 3221 3222 3223 3224 3225 3226 3227 3228 3229 3230 3231 3232 3233 3234 3235 3236 3237 3238 3239 3240 3241 3242 3243 3244 3245 3246 3247 3248 3249 3250 3251 3252 3253 3254 3255 3256 3257 3258 3259 3260 3261 3262 3263 3264 3265 3266 3267 3268 3269 3270 3271 3272 3273 3274 3275 3276 3277 3278 3279 3280 3281 3282 3283 3284 3285 3286 3287 3288 3289 3290 3291 3292 3293 3294 3295 3296 3297 3298 3299 3300 3301 3302 3303 3304 3305 3306 3307 3308 3309 3310 3311 3312 3313 3314 3315 3316 3317 3318 3319 3320 3321 3322 3323 3324 3325 3326 3327 3328 3329 3330 3331 3332 3333 3334 3335 3336 3337 3338 3339 3340 3341 3342 3343 3344 3345 3346 3347 3348 3349 3350 3351 3352 3353 3354 3355 3356 3357 3358 3359 3360 3361 3362 3363 3364 3365 3366 3367 3368 3369 3370 3371 3372 3373 3374 3375 3376 3377 3378 3379 3380 3381 3382 3383 3384 3385 3386 3387 3388 3389 3390 3391 3392 3393 3394 3395 3396 3397 3398 3399 3400 3401 3402 3403 3404 3405 3406 3407 3408 3409 3410 3411 3412 3413 3414 3415 3416 3417 3418 3419 3420 3421 3422 3423 3424 3425 3426 3427 3428 3429 3430 3431 3432 3433 3434 3435 3436 3437 3438 3439 3440 3441 3442 3443 3444 3445 3446 3447 3448 3449 3450 3451 3452 3453 3454 3455 3456 3457 3458 3459 3460 3461 3462 3463 3464 3465 3466 3467 3468 3469 3470 3471 3472 3473 3474 3475 3476 3477 3478 3479 3480 3481 3482 3483 3484 3485 3486 3487 3488 3489 3490 3491 3492 3493 3494 3495 3496 3497 3498 3499 3500 3501 3502 3503 3504 3505 3506 3507 3508 3509 3510 3511 3512 3513 3514 3515 3516 3517 3518 3519 3520 3521 3522 3523 3524 3525 3526 3527 3528 3529 3530 3531 3532 3533 3534 3535 3536 3537 3538 3539 3540 3541 3542 3543 3544 3545 3546 3547 3548 3549 3550 3551 3552 3553 3554 3555 3556 3557 3558 3559 3560 3561 3562 3563 3564 3565 3566 3567 3568 3569 3570 3571 3572 3573 3574 3575 3576 3577 3578 3579 3580 3581 3582 3583 3584 3585 3586 3587 3588 3589 3590 3591 3592 3593 3594 3595 3596 3597 3598 3599 3600 3601 3602 3603 3604 3605 3606 3607 3608 3609 3610 3611 3612 3613 3614 3615 3616 3617 3618 3619 3620 3621 3622 3623 3624 3625 3626 3627 3628 3629 3630 3631 3632 3633 3634 3635 3636 3637 3638 3639 3640 3641 3642 3643 3644 3645 3646 3647 3648 3649 3650 3651 3652 3653 3654 3655 3656 3657 3658 3659 3660 3661 3662 3663 3664 3665 3666 3667 3668 3669 3670 3671 3672 3673 3674 3675 3676 3677 3678 3679 3680 3681 3682 3683 3684 3685 3686 3687 3688 3689 3690 3691 3692 3693 3694 3695 3696 3697 3698 3699 3700 3701 3702 3703 3704 3705 3706 3707 3708 3709 3710 3711 3712 3713 3714 3715 3716 3717 3718 3719 3720 3721 3722 3723 3724 3725 3726 3727 3728 3729 3730 3731 3732 3733 3734 3735 3736 3737 3738 3739 3740 3741 3742 3743 3744 3745 3746 3747 3748 3749 3750 3751 3752 3753 3754 3755 3756 3757 3758 3759 3760 3761 3762 3763 3764 3765 3766 3767 3768 3769 3770 3771 3772 3773 3774 3775 3776 3777 3778 3779 3780 3781 3782 3783 3784 3785 3786 3787 3788 3789 3790 3791 3792 3793 3794 3795 3796 3797 3798 3799 3800 3801 3802 3803 3804 3805 3806 3807 3808 3809 3810 3811 3812 3813 3814 3815 3816 3817 3818 3819 3820 3821 3822 3823 3824 3825 3826 3827 3828 3829 3830 3831 3832 3833 3834 3835 3836 3837 3838 3839 3840 3841 3842 3843 3844 3845 3846 3847 3848 3849 3850 3851 3852 3853 3854 3855 3856 3857 3858 3859 3860 3861 3862 3863 3864 3865 3866 3867 3868 3869 3870 3871 3872 3873 3874 3875 3876 3877 3878 3879 3880 3881 3882 3883 3884 3885 3886 3887 3888 3889 3890 3891 3892 3893 3894 3895 3896 3897 3898 3899 3900 3901 3902 3903 3904 3905 3906 3907 3908 3909 3910 3911 3912 3913 3914 3915 3916 3917 3918 3919 3920 3921 3922 3923 3924 3925 3926 3927 3928 3929 3930 3931 3932 3933 3934 3935 3936 3937 3938 3939 3940 3941 3942 3943 3944 3945 3946 3947 3948 3949 3950 3951 3952 3953 3954 3955 3956 3957 3958 3959 3960 3961 3962 3963 3964 3965 3966 3967 3968 3969 3970 3971 3972 3973 3974 3975 3976 3977 3978 3979 3980 3981 3982 3983 3984 3985 3986 3987 3988 3989 3990 3991 3992 3993 3994 3995 3996 3997 3998 3999 4000 4001 4002 4003 4004 4005 4006 4007 4008 4009 4010 4011 4012 4013 4014 4015 4016 4017 4018 4019 4020 4021 4022 4023 4024 4025 4026 4027 4028 4029 4030 4031 4032 4033 4034 4035 4036 4037 4038 4039 4040 4041 4042 4043 4044 4045 4046 4047 4048 4049 4050 4051 4052 4053 4054 4055 4056 4057 4058 4059 4060 4061 4062 4063 4064 4065 4066 4067 4068 4069 4070 4071 4072 4073 4074 4075 4076 4077 4078 4079 4080 4081 4082 4083 4084 4085 4086 4087 4088 4089 4090 4091 4092 4093 4094 4095 4096 4097 4098 4099 4100 4101 4102 4103 4104 4105 4106 4107 4108 4109 4110 4111 4112 4113 4114 4115 4116 4117 4118 4119 4120 4121 4122 4123 4124 4125 4126 4127 4128 4129 4130 4131 4132 4133 4134 4135 4136 4137 4138 4139 4140 4141 4142 4143 4144 4145 4146 4147 4148 4149 4150 4151 4152 4153 4154 4155 4156 4157 4158 4159 4160 4161 4162 4163 4164 4165 4166 4167 4168 4169 4170 4171 4172 4173 4174 4175 4176 4177 4178 4179 4180 4181 4182 4183 4184 4185 4186 4187 4188 4189 4190 4191 4192 4193 4194 4195 4196 4197 4198 4199 4200 4201 4202 4203 4204 4205 4206 4207 4208 4209 4210 4211 4212 4213 4214 4215 4216 4217 4218 4219 4220 4221 4222 4223 4224 4225 4226 4227 4228 4229 4230 4231 4232 4233 4234 4235 4236 4237 4238 4239 4240 4241 4242 4243 4244 4245 4246 4247 4248 4249 4250 4251 4252 4253 4254 4255 4256 4257 4258 4259 4260 4261 4262 4263 4264 4265 4266 4267 4268 4269 4270 4271 4272 4273 4274 4275 4276 4277 4278 4279 4280 4281 4282 4283 4284 4285 4286 4287 4288 4289 4290 4291 4292 4293 4294 4295 4296 4297 4298 4299 4300 4301 4302 4303 4304 4305 4306 4307 4308 4309 4310 4311 4312 4313 4314 4315 4316 4317 4318 4319 4320 4321 4322 4323 4324 4325 4326 4327 4328 4329 4330 4331 4332 4333 4334 4335 4336 4337 4338 4339 4340 4341 4342 4343 4344 4345 4346 4347 4348 4349 4350 4351 4352 4353 4354 4355 4356 4357 4358 4359 4360 4361 4362 4363 4364 4365 4366 4367 4368 4369 4370

Card 1/2

Korolev, S.I., Lupandin, V.I. SOV-113-58-9-13/19

A New Non-Hardening Mastic for Gaskets (Novaya netverdayu-shchaya mastika dlya prokladok)

PERIODICAL: Avtomobil'naya promyshlennost', 1958, Nr 9, pp 35-36 (USSR)

ABSTRACT: A mastic for gaskets of impregnated cardboard, paronite and pressed cork to be used in motor car engines was developed in 1947 by engineer L.M. Koposov. This LK mastic consisted of 45% of autonitroemamel 624^a, 40% of castor oil for technical use and 15% of solvent 646. The castor oil being too expensive a substitute, laboratory experiments were made to find a suitable substitute. A product with similar properties was eventually found in the emulsifying agent from chemical wood pulp, tallol oil. A composition of 30% of this oil together with 70% nitroglyphalic foundation proved satisfactory. Laboratory tests with 225 engines were successful. In June 1957, the Yaroslavl Engine Plant switched over to the new mastic, which resulted in over 31,000 rubles in annual savings.

Card 2/2

1. Gaskets 2. Adhesives--Preparation 3. Adhesives--Applications

ASSOCIATION: Yaroslavlskiy Motornyy Zavod (The Yaroslavl Engine Plant)

A New Non-Hardening Mastic for Gaskets
SOV-113-58-9-13/19

REZEV, A. A., NERSEN, V. A., KACHIKOVA, A. V., KACHIKOV, S. I. AND GURINA, E. O.
"Hydrogen Absorption and Changes in the Mechanical Properties of Aluminides
and the Binary Alloys when Corroded in Hydrogen at High Temperatures and
Pressures."
Report presented at the Intl. Conference on the Corrosion of Reactor Materials (ICRAM)
Salzburg, Austria, 4-9 June 1968.

AL'TOVSKIY, R.M.; FEDOTOVA, A.G.; KOROLEV, S.I.
Studying the corrosion properties of yttrium. Part 1: Effect
of pH on the corrosion and electrochemical behavior of yttrium.
Zashch. met. 2 no.1:52-56 Ja-F 1966.
(MIRA 19:1)
1. Submitted April 19, 1965.

Card 1/3 UDC: 669.794 : 620.193

ABSTRACT: The effect of the pH on the corrosion resistance and stationary electrode potential of yttrium containing 0.1% O, 0.3% Si, and 0.3% Cu was studied in solutions of NaX + HX and NaOH types (X was the anion of Cl⁻ or NO₃⁻). The corrosion of yttrium in nitrate and at a pH > 3 in chloride solutions occurred with a decrease in corrosion rate with time. This indicated the formation of a protective film (probably hydroxide) on the surface of the yttrium. The dissolving of yttrium practically ceased to exist after 50-75 hours of the experiment. The rate of corrosion of yttrium decreased with increased pH, especially in the acid region (pH 2 - 4). The corrosion rate was somewhat lower in nitrate than in chloride solution. The metal was in the passive state at a lower pH (10.5) in the nitrate solution than in the presence of Cl⁻ (pH 13). Yttrium practically did not dissolve in distilled H₂O with and without addition of

TOPIC TAGS: yttrium, corrosion resistance, electrochemistry, corrosion resistant

SOURCE: Zashchita metallov, v. 2, no. 1, 1966, 52-56

TITLE: Investigation of the corrosion properties of yttrium. I. Effect of the pH on the corrosion and electrochemical behavior of yttrium

ORG: none

AUTHOR: Al'tovskiy, R. M.; Fedotova, A. G.; Korolev, S. I.

ACC NR: AP6003320 (N) SOURCE CODE: UR/0365/66/002/001/0052/0056

L 01300-67 EMT(m)/EMP(t)/ETI IJP(c) JD/JG/WB

48
46
B

2/3 Cord

alkalies. Therefore, the presence in solution of NO_3^- and especially of Cl^- has no effect on the resistance of yttrium to corrosion. Thermodynamically, yttrium should be a very active metal electrochemically. The standard potential of reaction $\text{Y} = \text{Y}^{3+} + 3\text{e}$ is -2.37 V. But even the most negative potentials of yttrium in the solutions studied were 1 V more positive. This suggested the presence of a protective film on the yttrium surface even in the active state of yttrium. The curve of stationary potential - pH for yttrium in chloride solution consisted of three parts. The stationary potentials at a potential below 3 and above 10 decreased with decrease or increase of the pH, respectively. The potential slightly increased with a decreased pH in the interval of pH 10-3. According to G. V. Akimov and I. L. Kozentseva (Issledovaniya v oblasti elektrometallurgicheskogo i korrozionnogo povedeniya metalov i splavov, Oborongiz, M., 1950), this can be explained most satisfactorily by the presence of potentials of the film-pore type on the metal surface. A complete passivation of yttrium in chloride solution occurred at pH 13. The inflection on the curve at pH 3 indicated a change in surface conditions. Probably, at pH < 3, the hydroxide film was converted into yttrium chloride and the film lost its protective properties. The stationary potential-pH curve of yttrium in the nitrate solution was similar to that in the chloride solution except for the absence of a decrease in potential in the acid region (pH < 3) and for the fact that the stationary potential in nitrate solutions at a pH of 3-10 was 0.25 V more positive than in chloride solutions. This was caused by the presence of NO_3^- which increased the potentials of the cathode sections. At a pH of 2-10 the corrosion of yttrium occurred with both hydrogen and oxygen depolarizations and at a pH > 10 only

ACC NR: AF6003320

L 01300-67

ACC NR: AF6003320

L 01300-67

UDC: 620.193.41:669.794

Card 1/2

ABSTRACT: The corrosion kinetics and the electrochemical properties of yttrium in 2% and 18% HF were studied at 25° and 90°. Reduction in corrosion rate with time was proved to be due to the formation of a protective film of YF_3 . Under the test conditions -- 250 hours at 25° and 24-50 hours at 90° -- the film remained intact, but on prolonged contact in HF the film breaks down and chips off. Deep pits and film crumbling were noted in 25 hours in vapor phase tests. Removal of oxygen from the system had no effect on the corrosion rate. The stationary potential of yttrium in HF solutions shifts to the positive side with time, indicating passivation. Anodic polarization is the

TOPIC TAGS: corrosion, corrosion rate, electrochemistry, yttrium, chemical kinetics, hydrofluoric acid

SOURCE: Zashchita metallov, v. 2, no. 4, 1966, 436-438

TITLE: Investigation of the corrosion properties of yttrium. II. Corrosion of yttrium in hydrofluoric acid

ORG: none

AUTHOR: Al'tovskiy, R. M.; Fedotova, A. G.; Korolev, S. I.

ACC NR: AP6025718

SOURCE CODE: UR/0365/66/002/004/0436/0438

L 04774-67 EWI(m)/EWP(f)/ETI JRP(c) JD/JG/WB

Card 2/2 80

OTH REF: 004

SUB CODE: 07, 11, 13/ SUBM DATE: 22Jul65/ ORIG REF: 004/

Orig. art. has: 4 figures.

same in 2% and 18% HF; the rate of corrosion is low--0.02-0.05 mm/year. The cathodic process is more rapid in the more concentrated HF solution.

ACC NR: AP6025718

L 04774-67

SAGOVSKAYA, Yekaterina Nikolayovna; KOBOLIN, S.N., redaktor; MAKUSHIN, V.A.,
tekhnicheskii redaktor
[Methodological development of arithmetic lessons for class 5]
Metodicheskie razrabotki urokov po arifmetike V klassa. Leningrad,
Gos. uchebno-pedagog. izd-vo Ministerstva prosveshcheniia RSFSR,
Leningradskoe otd-nie, 1956. 260 p.
(Arithmetic--Study and teaching)
(MIRA 10:1)

[Arithmetic lesson plans for the sixth grade; based on practice]
Plans urukov po arifmetike dlia VI klassov; iz opyta raboty.
Leningrad, Gos.uchebno-pedagog. izd-vo M-va prosy. HSESR, Leningr.
otd-nie, 1957. 103 p.
(Arithmetic--Study and teaching)
(MIRA 10:10)

SAGOVSKAYA, Yekaterina Nikolayevna; KOROLEV, S.M., redaktor; LOMONT'YEVA,
L.M., tekhnicheskii redaktor

KOROLEV, S.M.

Card 1/1

SUB CODE: 22, 05/ SUBM DATE: none

ABSTRACT: This is a discussion by the late Chief Spacecraft Designer S. P. Korolev on the 100th anniversary of the birth of rocket pioneer K. E. Tsiolkovsky at a meeting of the Academy of Sciences, USSR, held on this occasion. Korolev recounts and evaluates Tsiolkovsky's numerous contributions to space research and development, emphasizing the fact that not only basic research but numerous practical solutions offered by this scientist have found application in modern astronautics.

TOPIC TAGS: space program, space station, space flight, K. E. Tsiolkovsky

SOURCE: Aviatziya i kosmonavtika, no. 11, 1966, 48-54

TITLE: Ahead of his century [S. P. Korolev discusses K. E. Tsiolkovsky]

ORG: none

AUTHOR: Korolev, S. P.; Tsiolkovskom, K. E.

SOURCE CODE: UR/0209/66/000/011/0048/0054

ACC NR: AP6036172

SUB CODE: 19/ SUBM DATE: none

ABSTRACT: The author reviews the history of the development of rocket engines and describes the mode of operation of certain existing systems of rocket engines. The existing rocket engines are divided into the following three basic groups: solid-propellant rocket engines carrying fuel and oxygen required for combustion, liquid-propellant rocket engines with a liquid oxidizer, and rocket engines operating on a solid propellant, liquid propellant, or gaseous propellant deriving oxygen from the ambient air. A brief classification of existing rocket systems and general characteristics of rocket engines are given.

TOPIC TAGS: rocket engine, rocket flight, solid propellant engine, liquid propellant engine

SOURCE: Aviatziya i kosmonavtika, no. 5, 1966, 38-40

TITLE: Rocket-propelled flight in the stratosphere

ORG: none

AUTHOR: Korolev, S. P.

SOURCE CODE: UR/0209/66/000/005/0038/0040

ACC NR: AP6015000

L 43056-66

77

1966

1966

Results of conservative and surgical methods in treating hip fractures.
Voen.-med. zhur. no. 8: 80-81 Ag 1961.
(HIP JOINT FRACTURE)
(MIRA 15:2)

KOROLEV, S.S., kapitan med. sluzhby

Voenno-Meditsinskiy Zhurnal, no. 8, Aug 1961

Results of conservative and surgical methods of treating fractures of the femur."

KOROLEV, S.S. (Captain of the Medical Service)

1. Belorusskiy nauchno-issledovatel'skiy veterinarnyy institut
(for Gavrichenkov). 2. ~~Belorusskiy~~ veterinarnyy vrach sovkhnoza "Kurgany"
Minskoy oblasti (for Korolev).

Veterinary hygienic measures as a basis for the elimination of
infectious atrophic rhinitis in swine. Veterinariia 42 no. 7:14-
15 Ji 1965.
(MIRA 18:9)

GAVRICHENKOV, A.I., kand. veter. nauk; KOROLEV, S.V.

KOROLYEV, S.V.
Grandiose program for the large-scale building of Communist society.
Kolymskiy no. 1:1-3 Ja '59.
1. Predsedatel' Magdanskogo sovetskogo
(Russiya--Economic policy)

9. Monthly List of Russian Accessions, Library of Congress, November 1952. Unclassified.

Technology

KOROLEV, V.

(In Moscow's newly erected buildings). (Moscow), Profilstat, 1952.

9. Monthly List of Russian Accessions, Library of Congress, February 1953. Unclassified.

1. KOROLEV, V.
2. USSR (600)
4. Building Materials
7. My experience in economizing building materials., Za ekon. mat., No. 4, 1952

KOROLYI, A.
Modern technology doesn't tolerate primitive work. Sov. Profsojuzy 4
no. 3:38-40 Nr. 56.
1. Instruktor peredovyykh metodov truda Glavmashstroya.
(Building)
(MIRA 9:7)

Second servicing of ZIS automobile trucks on an assembly
line. Avt. transp. 32 no. 9:16-20 S 154.
(Motor trucks--Maintenance)
(MIRA 7:11)

DAVIDENKOV, S.; VAYS, A.; KALASHNIKOV, I.; KOROLEV, V.; NIKOLENKO, V.

KOROLEV, V.

Zootekhnicheskii Valentin Ozerov. Nauka i pered. op. v sel'khoz.
9 no. 8: 47-48 Ag. 59. (MIRA 12:12)
(Ozerov, Valentina Ivanovna) (Stock and stockbreeding)

KOHOIEV, V., zootekhnika

KOHOLOV, V.
Skip holster for cupola furnace charging: Gunboat Repair Yard.
Inform.abor.TSNIIM no.26:99-101 '58.
(MBA 13:4)
1. Kanonerskiy sudoremontnyy zavod.
(Shipyard--equipment and supplies)
(Foundries--equipment and supplies)

One of the oldest leading workers in the field of water transport-
(MIRA 17:4)
Mor. Plot 21 no. 4:40 Ap '61.
(Zvonkov, Vasilii Vasil'evich, 1890-)

KOROLEV, V., Inzh.

KOROLEV, V.
Handled for fastening cutting tools without ramrods. Mashinostroitel'
no. 8:35 Ag 1961.
(Milling machines)
(MIRA 14:7)

KOROLEV, V., starshiy prepodavatel'; ASTAKHOV, S.
"OKM-A" sprayer mounted on a tractor. Zashch. rast. ot vred.
i bol. 10 no. 12:33-34 '65.
(MIRA 19:1)
1. Kafedra mekhanizatsii lesnogo khozyaystva Bryanskogo tekhn-
ologicheskogo instituta (for Korolev). 2. Zaveduyushchiy labo-
ratoriyey Bryanskogo tekhnologicheskogo instituta (for Astakhov).

KOROLEV, V., dotsent; KUZNETSOV, V.

Dried biogenetic stimulators made with embryos. Mias.ind.
S.S.S.R. 33 no.6:22-23 '62. (MIRA 16:1)

1. Semipalatinskiy sooveterinarnyy institut (for Korolev).
 2. Semipalatinskiy myasokonservnyy kombinat im. Kalinina (for Kuznetsov).
- (Beef cattle—Feeding and feeds) (Tissue extracts)

KOROLEV, V., inzh.

All-Union Maritime Shipping. Dec. 1971. 10 pp. 8:39 61: 165.
(MIRA JP:R)

KOROLEV, V.

Volga-Baltic Sea Waterway. Rech. transp. 22 no.9:38-39 S '63.
(MIRA 16:10)

1. Direktor direksii stroitel'stva Volgo-Baltiyskogo vodnogo
puti.

KOROLEV, V., inzh.

Possibilities for improving technical and operating characteristics
of single-axle trailers. Avt. transp. 43 no.1:36-39 Ja '65.
(MIRA 18:3)

KOROLEV, V. A.

Korolev, V. A. - "Water treatment, in the Fol'gard manner, in acute diffusion diseases of the liver", Trudy Medinstituta (Izhev. gos. med. in-t), Vol. VI, 1943, p. 137-40.

SS: U-4110, 17 July 53, (Letopis 'Zhurnal 'nykh Statey, No. 19, 1949).

KOROLEV., V. A.

36906. KOROLEV, V. A. i KUTYAVINA, A. L. Izmeneniya Podzheludochnoy Zhelezy Pri Bolezni Botkina. - V Ogl. 2-y Avt: Kutyavina, A. A. Trudy Med. In-ta (Izhev. Gos. Med. In-t), T. IX, 1949, s. 104-11.

S0: Letopis' Zhurnal'nykh Statey, Vol. 50, Moskva, 1949

KOROLEV, V.A.

High productivity utilization of diesel locomotives. Elek.1
tepl.tiaga no.5:20-22 My '57. (MLRA 10:9)

1. Nachal'nik lokomotivnogo otdela Kaganaskogo otdeleniya Ashkhabadskoy
zhelesnoy dorogi.

(Diesel locomotives)

KOROLEV, V.A., inzh.

Automatic chip removal in workshops of the Minsk Tractor Plant.
Mashinostroitel' no.9:16-18 S '59. (MIRA 13:2)
(Minsk--Metal cutting)

BEKHTELE, G.A., kand. tekhn. nauk; SILISHCHENSKAYA, N.M., kand. tekhn. nauk;
GLEMBOTSKIY, V.A., prof; PLAKSIN, I.N.; YEFIMOV, V.P., inzh;
RUMYANTSEVA, N.M., inzh; KOROLEV, V.A., laborant

Flotation of iron from magnetic separation tailings at the Kursk
Magnetic Anomaly ore dressing plant. Gor.zhur.no.11:28-31 N '58.
(MIRA 11:11)

1. Chlen-korrespondent AN SSSR (for Plaksin).
(Kursk Magnetic Anomaly) (Magnetic separation of ores) (Flotation)

NIKIFOROV, N.A.; KOROLEV, V.A.

Method for compiling a detailed geological prognostic map. Zap.
Uz.otd.Vses.min.ob-va no.6:131-142 '54. (MLRA 9:12)

1. Kafedra razvedochnogo dela Sredneaziatskogo politekhnicheskogo
instituta.

(Prospecting) (Geological surveys)

KOROLEV, V.A.

Diagram of contour lines for geological plane tabling. Razved.
1 okh.nedr 21 no.1:56-59 Ja-F '55. (MLRA 9:12)

(Plane table) (Surveying)

BAYMUKHAMEDOV, Kh.N.; VOL'FSON, F.I.; ZAKIROV, T.Z.; KOROLEV, V.A.;
KREYTER, V.M.; KUSHNAREV, I.P.; LUKIN, L.I.; NEVSKIY, V.A.;
NIKIFOROV, N.A.; PEK, A.K.; RUSANOVA, O.D.; SONYUSEKIN, Ye.P.;
CHERNYSHEV, V.F.; SHEKHTMAN, P.A.

Aleksei Vasil'evich Korolev; obituary. Geol. rud. mestorozh.
no.4:134-135 J1-Ag '60. (MIRA 13:8)
(Korolev, Aleksei Vasil'evich, 1897-1960)

GVOZDEVICH, Aleksandr Makarovich; ZAYGEROV, Iosif Borisovich;
KOROLEV, Vitaliy Arkad'yevich; SHMORGUN, Yakov Shayevich;
KASHTANOV, F., red.; DOMOVSKAYA, G., tekhn. red.

[Mechanization of conveying operations in machinery plants;
experience of the Minsk Tractor Factory] Mekhanizatsiya tran-
sportnykh operatsii v mashinostroenii; iz opyta raboty Min-
skogo traktornogo zavoda. Minsk, Gos.izd-vo BSSR. Red. pro-
izvodstvennoi lit-ry, 1961. 70 p. (MIRA 15:2)
(Minsk—Conveying machinery)

KOROLEV, Vitaliy Arkad'yevich; DMITROVICH, A.M., kand. tekhn.
nauk, red.; KASHTANOV, F., red.

[Mechanization of benchwork] Mekhanizatsiia slesarnykh
rabot. Minsk, Izd-vo "Belarus'," 1964. 176 p. (Bib-
liotekha slesaria, no.6) (MIRA 18:1)

KOROLEV, V. A.

1118 14 19
 ✓ α - γ ANGULAR CORRELATION OF $\text{ThC}^*(\text{Th}^{232})$, V. A.
 Korolov, L. A. Kulchitski and A. I. Zheronov. (Leningrad Inst. of Physics in Technology, Acad. of Sciences U.S.S.R.). Izvest. Akad. Nauk S.S.S.R. Ser. Fiz. 20, 1451-4 (1956) Dec. (In Russian)

Studies were made of α - γ angular correlation of ThC^* in transitions to second and fourth excitation levels. Transition intensities at these levels were 1.8 and 1.1%. The small transition intensities and the great number of γ lines in the spectrum of the active thorium precipitation source from ThB , ThC^* , and ThD complicated the measurements of the angular correlation and required methods of measurements with a good separation of α particles and γ -quanta lines. Results of measurements showed that for the ThC^* normal state moment the value 1^+ should be selected. The value 3^+ is the more probable value for $\text{ThC}^*(\text{Th}^{232})$ second level of excitation moment and for γ radiation the $E(2)$ with a small addition of $M(1)$. The (fourth) excitation level has the value 3, however it is not yet possible to give a single sign for its parity, and it may be $M(1)$ or $E(1)$. (R.V.J.)

Phys

comp

RMR

Distr: LBJd

4836

INTERNATIONAL CONVERSION

2
1- RML

KOROLEV, V.A.

AUTHOR BOROB'YEN, A.A., KOROLEV, V.A., KOMAR, A.P., PA - 2994
SELIVERSTOV, D.M.,
TITLE The Coefficient of the Interior Conversion of γ -Radiation with the
Energy 53 KeV on the L-Shell of the Th^{230} .
(Koeffitsiyent vnutrenney konversii γ -izlucheniya energii 53 keV na
L-obolochke Th^{230} - Russian)
PERIODICAL Zhurnal Eksperim. i Teoret. Fiziki, 1957, Vol 32, Nr 3,
pp 623-623, (U.S.S.R.)
Received 6/1957 Reviewed 7/1957

ABSTRACT According to the data obtained from publications this coefficient is pro-
bably large. The authors determined this conversion coefficient by means of
the method of α - γ coincidences. An enriched U^{235} source was used. The α -
particles were recorded by means of a momentum ionization chamber and the
 γ -quanta by means of a scintillation counter with an NaJ(Tl)-crystal. The
 γ -spectrum was recorded in coincidence with the α -particles which lead to
the basic level and to the first excited level of the Th^{230} . This radiation
originates entirely from the inner conversion on the L-shells of the Th^{230} .
The coefficient of conversion was determined from the ratio of the number N_γ
of the radio X-ray quanta (without absorber) to the number N_α of 53 keV -
quanta (which were reduced to the same number N_α of the recorded α -partic-
les.) The result $N_\gamma/N_\alpha = 130$ was obtained. The error committed in measuring
remains below 50%. The extrapolation of the theoretical value furnishes
the following values for the sum of the coefficients of conversion on the
LI-, LII- and LIII shells, according to the type of radiation,

Card 1/2

SOV/120-59-1-21/50

AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Korolev, V. A., Solyakin, G. Ye.

TITLE: Measurement of the Grid Current in the Tubes Employed in Low-Noise Amplifiers (Izmereniye setochnogo toka v lampakh, ispol'zuyemykh v usilitelyakh s nizkim shumom)

PERIODICAL: Priory i tekhnika eksperimenta, 1959, Nr 1, pp 85-89 (USSR)

ABSTRACT: It is known from the Nyquist theory that the noise produced by the grid current can be expressed by:

$$\overline{U_{sh.s.}^2} = \frac{eI_c}{\pi} \int_0^{\infty} \frac{R^2 F(\omega) d\omega}{1 + \omega^2 \tau^2}, \quad (3)$$

where $\tau = RC$, I_c is the grid current; R is the grid leak of the tube and C is its input capacitance; function $F(\omega)$ in Eq (3) is formed by the product of the transfer functions of an integrating and a differentiating network; the time constants of the networks are $T_1 = T_2 = T$. Consequently,

Card 1/3

SOV/120-59-1-21/50

Measurement of the Grid Current in the Tubes Employed in Low-Noise Amplifiers

the grid current noise can be expressed by Eq (4), where $q = e/T$. If the tube contains a resistor R at its input, the noise due to this can be expressed by Eq (6). Provided the same function $F(\omega)$ is used, the integration of Eq (6) results in Eq (7). The maximum value of the thermal noise, expressed by Eq (7), occurs when the resistance is given by Eq (8); this value is given by Eq (9). On the other hand, the maximum value of the noise produced by the grid current is given by Eq (5). Consequently, the grid current noise to the thermal noise and this is expressed by Eq (10). This equation can be used for determining the value of I_C . By comparing Eqs (3) and (6), it is found that the relationship between the grid current noise and the thermal noise is expressed by Eq (15). This can also be used for determining I_C ; for example, if a value of R is determined such that the current noise is equal to the thermal noise, the grid current is given by Eq (16); here, R_0 is the value of R necessary to secure the equality of the two noises. The above methods were employed to measure the grid current in the tube

Card 2/3

SOV/120-59-1-21/50

Measurement of the Grid Current in the Tubes Employed in Low-Noise Amplifiers

Type 6Zh1P which were operated as triodes with an anode voltage of 60 V and a heater voltage of 6 V. The dependence of the total noise on the input resistance is illustrated in Fig 2. From this it is found that the grid current was $1.0 \cdot 10^{-10}$ A, when determined from Eq (11) (or from Eq 14), and it was 1.15×10^{-10} A when evaluated from Eq (16). The authors express their gratitude to F. M. Sobolevskaya for her help in the measurements, to S. N. Nikolayev for discussing the results, and to A. P. Komar for his interest in this work. The paper contains 3 figures and 2 references, of which 1 is English and 1 is Soviet.

ASSOCIATION: Leningradskiy fiziko-tekhnicheskii institut AN SSSR
(Leningrad Physics Engineering Institute of the Soviet Academy of Sciences)

SUBMITTED: February 5, 1958.

Card 3/3

SOV/120-59-2-27/50

AUTHORS: Vorob'yev, A.A., Korolev, V.A. and Solyakin, G.Ye.

TITLE: The Choice of Optimum Pass-band in an Amplifier Working with an Ionization Chamber (Vybor optimal'noy polosy propuskaniya v usilitele, rabotayushchem s ionizatsionnoy kameroy)

PERIODICAL: Pribury i tekhnika eksperimenta, 1959, Nr 2, pp 95-102 (USSR)

ABSTRACT: A calculation is made of the optimum bandwidth of an amplifier with two differentiating circuits. It is shown that the introduction of the second differentiating circuit completely avoids the influence of microphonic effects and low frequency noise without deteriorating the signal-to-noise ratio. The resolving power of an ionization alpha-spectrometer is determined basically by the noise in the first valve. When the leakage resistance of the first valve is high enough thermal noise may be neglected and only the contributions of anode and grid current taken into account. Usually the maximum signal-to-noise ratio is guaranteed by correct choice of amplifier bandwidth and this usually means inserting a differentiating and an integrating circuit. This case has already been considered by Elmore in Ref 1.

Card 1/4

SOV/120-59-2-27/50

The Choice of Optimum Pass-band in an Amplifier Working with an Ionization Chamber

This scheme has a number of drawbacks; in particular the location of the differentiating circuit is difficult, since it is preferable to place it before the amplifier in order to avoid overloading on microphony, but also convenient to place the circuit within the middle of the amplifier when A.C. heaters are used. In the analysis for brevity an arrangement of one differentiator followed by one integrator is described as {1,1}; the cases {1,2} {2,2} are also considered. The spectral densities of the grid and anode currents are given by Eqs (1) and (2). For the three circuit combinations described above, expressions for the minimum value of noise are given by Eqs (8), (12) and (17). In the many curves which are presented two parameters are used; p which is the ratio of the time constants of the integrator and the differentiator circuits, and a which is defined in Eq (5). In calculating signal-to-noise ratio it is assumed that a rectangular voltage pulse is delivered from the ionization chamber. Signal-to-noise ratio is denoted by Q . In Fig 1 the signal-to-noise ratio is

Card 2/4

SOV/120-59-2-27/50

The Choice of Optimum Pass-band in an Amplifier Working with an Ionization Chamber

given by a solid line and the signal amplitude by the dotted lines. Figs 3, 4 and 5 show for the three circuit arrangements respectively the variation of signal-to-noise ratio with p for various pulse durations. Figs 6, 7 and 8 are the corresponding figures with p and a as parameters. Ionization chambers suffer from microphony at frequencies up to 100 c/s. By using two differentiating circuits the contribution to the microphony may be reduced with respect to that due to valve noise by a factor of approximately 100 at a frequency of 100 c/s; at lower frequencies this reduction is even more significant. It has so far been assumed that the voltage pulses are truly rectangular; in practice they have sloping fronts and if these slopes are linear it is possible to calculate easily the loss in amplitude as a function of the differentiating and integrating circuits. This loss is shown plotted in Figs 9 and 10 respectively for single and double circuits. Table 1 summarizes the amplitude loss for various rise times for the three types

Card 3/4

SOV/120-59-2-27/50

The Choice of Optimum Pass-band in an Amplifier Working with an Ionization Chamber

of circuit; this is experimental data. For all three circuits the relationship between amplitude loss and rise time is quadratic. In Table 2 experimental and calculated results are compared for various values of differentiator and integrator time constant; this table applies to the case of {1,2}. The authors thank

Card 4/4 M.F. Sobolevskaya and A.P. Komar.

There are 10 figures, 2 tables and 2 English references.

ASSOCIATION: Fiziko-tekhnicheskii institut AN SSSR (Physico-Technical Institute of the Academy of Sciences, USSR)

SUBMITTED: February 13, 1958

7.3000

75333
SOV/57-29-10-10/18

AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Ivanov, B. A., Komar, A. P., Korolev, V. A.

TITLE: Influence of Ramsauer-Townsend Effect on the Mobility of Electrons in Spectroscopically Pure Argon

PERIODICAL: Zhurnal tekhnicheskoy fiziki, 1959, Vol 29, Nr 10, pp 1252-1258 (USSR)

ABSTRACT: The purpose of the paper is to verify the influence of Ramsauer-Townsend effect on the mobility of electrons in spectroscopically pure argon. The study is experimental in nature. The drift of electrons is measured as a function of E/p , where E is intensity of the electric field and p is barometric pressure of argon in the experimental chamber. The experiments were carried out for values of E/p between 0.001 and 1.5. At small values of E/p a maximum was observed similar to that obtained by other investigators. This maximum could be explained as the result of the Ramsauer-Townsend effect, or it might have been caused by the excitation of molecular levels owing to the presence of impurities in argon. For this reason industrial argon of 99.6% was also used. The ionization chamber was filled with argon at

Card 1/3

Influence of Ramsauer-Townsend Effect on the Mobility of Electrons in Spectroscopically Pure Argon

75333
SOV/57-29-10-10/18

pressures of up to 1,000 mm Hg. For a source of α -particles U^{234} was used. The impurities in the spectroscopically pure argon amounted to less than $10^{-4}\%$. The total sum of errors did not exceed 20%. The mean free path λ of the electrons at a pressure of 1 mm Hg and the average fraction of energy f lost in one collision were measured, and the values obtained fully corroborated the influence of the Ramsauer-Townsend effect on the electron mobility in the spectroscopically pure argon. When industrial argon was used it was found that the value of f is affected by argon impurities influencing the maximum value of E/p . This, however, is not to be taken as the result of Ramsauer-Townsend effect. There are 6 figures, and 3 references, 6 U.S., 1 Canadian, and 1 French. The U.S. and Canadian references are: Nielsen, R. A., Phys. Rev., 50, 950, 1936; Klema, E. D., Allen, J. S., Phys. Rev., 77, 661, 1950; Kirshner, J. M., Toffolo, D. S., J. Appl. Phys., 23, 594, 1952; Bortner, T. E., Hurst, G. S., Stone, W. G., RSI, 28, 103, 1957; Bell, P.R., Jordan, W. H., Davis, R. C., Phys. Rev., 83, 490, 1951; Collin, L., Facchini, U., RSI, 23, 39, 1952; English, W. N., Hanna, G. C., Can. J. Phys., 31, 703, 1953.

Card 2/3

24(7)

AUTHORS:

Vorob'yev, A. A., Komar, A. P., Korolev, V. A., SOV/56-37-2-32/56
Solyakin, G. Ye.

TITLE:

The α -Spectrum of the Natural Mixture of Isotopic Samarium

PERIODICAL:

Zhurnal eksperimental'noy i teoreticheskoy fiziki, 1959,
Vol 37, Nr 2(8), pp 546 - 548 (USSR)

ABSTRACT:

In the present "Letter to the Editor" the authors report on investigations of the α -spectrum of Sm^{147} and the isotopic mixture by means of a pulse ionization chamber; the chamber was filled with chemically pure argon (99.9% Ar, +0.2% N_2 , +0.2% CO_2). The measured α -spectrum of Sm^{147} is shown by figure 1; it has a half width of 43 kev (when intensive α -emitters, as e. . . U^{234} , were used, the half width amounted to 30 kev). The energy of the α -particles of Sm^{147} was determined as amounting to (2.19 ± 0.01) Mev, which agrees well with the value mentioned in reference 6. Figure 2 shows the spectrum of the α -particles of the natural isotopic mixture (without collimation) within

Card 1/2

The α -Spectrum of the Natural Mixture of Isotopic Samarium SOV/56-37-2-32/56

the energy interval of 2.0 - 2.8 Mev. The energy of the α -particles of Sm^{146} is (according to reference 7) equal to ~ 2.55 Mev; knowledge of this fact and of the entire background (within the range of 1.5 - 2.5 Mev - 1 pulse/hour) makes it possible to evaluate the upper limit of the Sm^{146} -content in the natural isotopic mixture and thus to determine the half lives: $T(\text{Sm}^{147}) = 10^{12}$ a and $T(\text{Sm}^{146}) = 5 \cdot 10^7$ a. The Sm^{146} -concentration in the natural isotopic mixture is not greater than $2.5 \cdot 10^{-6}$ % (the number of α -particles originating from Sm^{146} -decay does not exceed the background). According to a mass-spectrometric analysis the content would amount to $8 \cdot 10^{-5}$ % (Ref 8). There are 2 figures and 8 references, 1 of which is Soviet.

ASSOCIATION: Leningradskiy fiziko-tekhnicheskii institut Akademii nauk SSSR
(Leningrad Physico-technical Institute of the Academy of Sciences, USSR)

SUBMITTED: March 26, 1959
Card 2/2

22h44

S/089/60/009/006/004/011
B102/B212

21,3000

AUTHORS: Surkov, Yu. A., Vorob'yev, A. A., Korolev, V. A.,
Vilenskiy, V. D.

TITLE: Investigation of the composition of uranium isotopes in rare-
earth minerals

PERIODICAL: Atomnaya energiya, v. 9, no. 6, 1960, 477-482

TEXT: The authors have tried to find out whether the isotope Cm^{247} exists (or existed) in nature (it is produced during plutonium irradiation in a reactor). This isotope changes over into Pu^{243} with a half-life of the order of 10^8 years and finally into U^{235} . One may assume the following reaction chain $\text{Cm}^{247} \xrightarrow{\alpha} \text{Pu}^{243} \xrightarrow[5h]{\beta^-} \text{Am}^{243} \xrightarrow[8600 \text{ a}]{\alpha} \text{Np}^{239} \xrightarrow[2.3 \text{ d}]{\beta^-} \text{Pu}^{239} \xrightarrow[24400 \text{ a}]{\alpha} \text{U}^{235} \longrightarrow \dots$, from the ratio $\text{U}^{235}/\text{U}^{238}$ one could conclude that there still exists Cm^{247} in very old rare-earth minerals. The authors investigated the composition of uranium isotopes in xenotime, orthite and

Card 1/8
5

22444

S/089/60/009/006/004/011
B102/B212

Investigation of the...

gadolinite with an age of $2 \cdot 10^9$ years. The samples had been furnished from the Mineralogicheskiy muzey AN SSSR (Mineralogy Museum of the AS USSR). The uranium was separated radiochemically from the minerals for an α -spectrometric analysis. The relative content of U^{235} and U^{238} was determined from the α -activity of these isotopes. An ionization chamber with screen (see Fig.2) had to be utilized since the uranium content was minute (0.25 - 1 mg). The chamber was filled with $Ar + 0.5\% CH_4$; the α -radiating preparation was located on the high-voltage electrode. The α -particles will hit the collector electrode with a time delay of $t_{delay} = (d - R \cos \varphi) / w$ according to their direction of flight;

R denotes the range of the α -particles, w the electron drift rate, d the distance between high-voltage electrode and screen, φ the angle between the direction of flight of the α -particle and the normal. The method of time collimation applied for the purpose consists in that only those pulses are recorded, for which $t_{delay} < t'$; thus, the pulses from

α -particles emitted at small angles were eliminated. The degree of collimation was characterized by f ($f/w = t_{max} - t'$). The share q of the recorded pulses from α -particles is given by $q = 1 - f/R = N/N_0$, where N_0

Card 2/8
5

Investigation of the...

22444
S/089/60/009/006/004/011
B102/B212

and N denote the intensities of a line before and after the collimation, respectively. The following has been measured: $Q = N_1/N_2$ (at two lines having the intensities N_1^0 and N_2^0) and

$$Q^0 = \frac{N_1^0}{N_2^0} = \frac{N_1}{N_2} \frac{1 - \frac{f}{R_2}}{1 - \frac{f}{R_1}} = Q \frac{1 - \frac{f}{R_2}}{1 - \frac{f}{R_1}} = QA, \quad (4)$$

Practically, there were three lines for the uranium isotopes.

$$Q_{234}^0 = \frac{N_{234}^0}{N_{235}^0}, \quad Q_{234} = \frac{N_{234}}{N_{235}}, \quad Q_{235}^0 = \frac{N_{235}^0}{N_{234}^0},$$

$$Q_{235} = \frac{N_{235}}{N_{234}}.$$

The following holds

$$\begin{aligned} Q_{235}^0 &= Q_{235} A_{235} = Q_{235} \frac{Q_{235}}{Q_{234}} = \\ &= Q_{235} \left(1 + \frac{Q_{235} - Q_{234}}{Q_{234}} \right) = Q_{235} (1 + P_{235}), \quad (5) \end{aligned} \quad \begin{aligned} P_{235} &= \frac{Q_{235} - Q_{234}}{Q_{234}} = \frac{f}{1 - \frac{f}{R_{235}}} \left(\frac{1}{R_{234}} - \frac{1}{R_{235}} \right). \end{aligned} \quad X$$

and analogously

$$Q_{234}^0 = Q_{234} A_{234} = Q_{234} (1 + P_{234}), \quad (6) \quad P_{234} = \frac{f}{1 - \frac{f}{R_{234}}} \left(\frac{1}{R_{235}} - \frac{1}{R_{234}} \right). \quad (6a)$$

Card 3/8

5

Investigation of the...

P_{235} and P_{234} are interrelated by

$$P_{235} = \frac{\frac{1}{R_{235}} - \frac{1}{R_{234}}}{\frac{1}{R_{235}} - \frac{1}{R_{238}}} P_{234} = \frac{R_{234} - R_{238}}{R_{234} - R_{235}} P_{234} = b P_{234} \quad (7)$$

$$b = \frac{R_{235} - R_{238}}{R_{234} - R_{238}} \frac{R_{234}}{R_{235}} \quad (8)$$

The ratio R_{234}/R_{235} had been determined from the range-energy curve as 1.135, $b = 0.39$. Finally using

$$A_{235} = (1 + b P_{234}) = [1 + b (A_{234} - 1)] = [1 + 0.39 (A_{234} - 1)] \quad (9)$$

the following expression is obtained for the correction coefficient A_{235} :

$$Q_{235}^0 = Q_{235} [1 + 0.39 (A_{234} - 1)]. \text{ For a real degree of collimation}$$

$A_{235} \approx 1.20$ the error will be $\delta A_{235} \approx 0.1 \delta b + 0.5 \delta A_{234}$. b may be determined accurately to 5%. The measurements referred to a standard sample and $q = Q_{\text{stand}}^0 / Q_{235}^0$ sample was determined. The background was negligibly

Card 4/8

221111

S/089/60/009/006/004/011
B102/B212

Investigation of the...

small. It was possible to determine U_{235}/U_{238} with an error of $\sim 2\%$. The test data are compiled in Table 1 (without collimation) and Table 2 (with collimation). It is apparent that the ratio of the isotopes was a little higher in gadolinite ($q \approx 1.046 \pm 0.02$). Here, it may be assumed that this raise is due to the existence of Cm^{247} . If its half-life is taken as $\approx 4 \cdot 10^7$ a then it is possible to calculate the initial content of Cm^{247} in gadolinite (at a mean uranium content of 0.06%) which could have been $\approx 10^{-3}\%$. The authors thank A. P. Komar and V. I. Baranov for their interest in these investigations. There are 4 figures, 2 tables, and 7 references: 4 Soviet-bloc and 3 non-Soviet-bloc. 4

SUBMITTED: February 24, 1960

Card 5/8
5

83672

S/048/60/024/009/005/015
B013/B063

21.5300

AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Korolev, V. A.
TITLE: The Operation of the Ionization Alpha Spectrometer Under High Loads

PERIODICAL: Izvestiya Akademii nauk SSSR. Seriya fizicheskaya, 1960, Vol. 24, No. 9, pp. 1086 - 1091

TEXT: In the present paper, the authors suggest a method of raising the permissible loading of ionization chambers up to 10^4 pulses/sec. The duration of the pulses occurring in the ionization chamber depends on the duration of electron accumulation in it. By adding 10 ÷ 15% of methane to the argon and by shortening the distance q down to ~ 0.5 cm it is possible to shorten the duration of the build-up of pulses down to $0.5 - 0.4 \mu\text{sec}$. It is apparently convenient to shape pulses by means of two short-circuited circuits. This method is particularly advantageous because pulse tails can be prevented and the constant component of the pulse spectrum is almost zero. The authors thoroughly studied the effect of the rise time on the

Card 1/2

83672

The Operation of the Ionization Alpha Spectrometer Under High Loads

S/048/60/024/009/005/015
B013/B063

pulse height (Fig. 1) and the signal-to-noise ratio (Figs. 2 and 3). The operation of the spectrometer under high load was checked by measuring the α -spectrum of a Pu^{238} source with an intensity of $8 \cdot 10^3$ pulses/sec. Besides, the spectrum of generator pulses was measured, which were supplied to the input of the amplifier together with the pulses of α -particles (Figs. 4 and 5). The α -spectrum of Pu^{238} is shown in Fig. 6. Its half-width was 60 kev. When analyzing the results obtained, the authors note that radio noise makes the largest contribution to the half-width line (45 kev). This noise can be largely reduced by switching on additional tubes. There is reason to believe that the half-width of the α -line can be reduced to at least 40 ÷ 50 kev. Some applications of a strongly loaded spectrometer are finally mentioned. The authors thank I. A. Fadeyev and M. F. Sobolevskaya for help in the work. There are 6 figures and 3 references: 2 Soviet and 1 British.

ASSOCIATION: Fiziko-tekhnicheskiy institut Akademii nauk SSSR (Institute of Physics and Technology of the Academy of Sciences USSR)

Card 2/2

83673

S/048/60/024/009/006/015
B063/B063

24.6 P10

AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Komar, A. P., Korolev, V. A.

TITLE: Investigation of the Alpha Decay¹⁹ of U^{235} by Means of an Ionization Alpha Spectrometer⁷⁹

PERIODICAL: Izvestiya Akademii nauk SSSR. Seriya fizicheskaya, 1960, Vol. 24, No. 9, pp. 1092-1098

TEXT: The present paper contains the results of an investigation of the α -decay of U^{235} , which was carried out by means of an ionization α -spectrometer. The spectrometer was tuned to a γ -spectrometer. The authors studied a spectrum without coincidence with γ -quanta (Figs. 1 and 2) and a series of γ -spectra coinciding with different groups of alpha particles (Figs. 3 and 4). A source enriched in U^{235} was used for the measurement. The spectral line of U^{234} (98%) showed, however, the highest intensity. It was used to stabilize the amplification factor of the amplifying part of the α -spectrometer. Besides, this line served as a standard for the

Card 1/2

83673

Investigation of the Alpha Decay of U^{235}
by Means of an Ionization Alpha SpectrometerS/048/60/024/009/006/015
B063/B063

measurement of the energies of U^{235} alphas. The energies, intensities, and forbiddances of the alpha groups are given in Table 1. The results of the analysis of the U^{235} α -spectrum agree with the results of Ghiorso although the latter are only of a qualitative character. The α -spectrum of U^{235} has been recently studied by S. A. Baranov and A. G. Zelenkov by means of a spectrometer of high luminous power. The energies of the lines they found are fairly consistent with the data obtained by the present authors. Table 2 gives the results of the determination of multipole or γ -transitions. On the basis of measurements of α - and γ -spectra, the authors suggest a possible α -decay scheme of U^{235} (Fig. 5). The levels were identified with the help of Nilsson's scheme. Though this identification cannot make a claim to finality, it does not contradict the experimental data available at present. The authors thank S. A. Baranov and A. G. Zelenkov for discussions and information, as well as M. F. Sobolevskaya for her assistance in the measurements. There are 5 figures, 2 tables, and 9 references: 3 Soviet, 3 US, and 1 Danish.

Card 2/2

KOROLEV, V. A.

82602

S/056/60/039/01/11/029
B006/B070

24.6520

AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Komar, A. P., Korolev, V. A.

TITLE: Measurement of the Energy of the α -Particles of an Emitter

PERIODICAL: Zhurnal eksperimental'noy i teoreticheskoy fiziki, 1960,
Vol. 39, No. 1 (7), pp. 70-72

TEXT: The authors measured the α particle energies with the help of an α -spectrometer. The ionization was determined by comparing the pulse heights of the α particles with those of the generated pulses whose amplitude could be measured to an accuracy of $\sim 0.01\%$. The chamber used was filled with 97% Ar and 3% CH₄. The width of the α line was 35 kev.

Table 1 collects a number of relevant data. Th²²⁸ was chosen as a standard. In the first column of this table the energy values deduced by a magnetic analysis are given, the second column gives ionization I, and the third the energy calculated according to the formula (1)
 $(E_{st} - 84)/(E_{\alpha} - 84) = I_{st}/I_{\alpha}$, where E_{st} and E_{α} denote the α energies of the standard and the emitter under investigation. There is good

Card 1/3

82602

Measurement of the Energy of the α -Particles
of an Emitter

S/056/60/039/01/11/029
B006/B070

agreement between the first and the third columns, from which the conclusion is drawn that the method of energy determination from the ionization in the α spectrometer is suitable. The following results are obtained:

At ²¹⁷ : 7.064 ± 0.005	Fr ²²¹ : 6.336 ± 0.005
Po ²¹³ : 8.368 ± 0.010	U ²³⁵ _I : 4.396 ± 0.003
U ²³⁵ _{II} : 4.211 ± 0.003	U ²³⁸ : 4.190 ± 0.005

These values are compared with the results obtained by other authors. Agreement is good in some cases and not so good in others. Some particular cases in this connection are discussed. Thus, for example, the values obtained for the two intensive U²³⁵ lines (I and II) diverge considerably from those obtained by magnetic spectrometer (Ref. 6). In connection with this, it is pointed out that the measurements lately made by S. A. Baranov, A. G. Zelenkov et al. (Ref. 8) of the α spectrum of U²³⁵ with a new magnetic spectrometer led to the following values:

Card 2/3

82602

Measurement of the Energy of the α -Particles of
an Emitter

S/056/60/039/01/11/029
B006/B070

$E_I = 4.394 \pm 0.002$ and $E_{II} = (4.213 \pm 0.002)$ Mev, and these agree very well with those obtained in the present work. There are 2 tables and 9 references: 1 Soviet, 1 South African, 2 Canadian, and 5 American.

ASSOCIATION: Leningradskiy fiziko-tekhnicheskiy institut Akademii nauk SSSR (Leningrad Physicotechnical Institute of the Academy of Sciences, USSR)

SUBMITTED: March 22, 1960

Card 3/3

S/120/61/000/002/010/042
E032/E114

AUTHORS: Vorob'yev, A.A., and Korolev, V.A.

TITLE: A method for measuring the transparency coefficient of a grid in a pulse ionization chamber

PERIODICAL: Pribery i tekhnika eksperimenta, 1961,⁶ No.2, pp. 78-80

TEXT: Green's reciprocity theorem can be used to determine the potential V^+ induced on the collecting electrode by positive ions. The latter is due to the fact that the grid introduced to screen the collector is not 100% efficient. The present authors point out that the theoretical treatment of the problem given by O. Buneman, T.E. Cranshaw and J.A. Harvey (Ref.1: Canad. J.Res.A, 1949, 27, 191) is very complicated and, moreover, is based on various simplifying assumptions. They therefore suggest a method for the experimental determination of the grid transparency coefficient. Their argument runs as follows. The potential V^+_i induced by the i -th positive ion located at a distance x from the electrode 1 (Fig.1) can be shown to be given by:

$$V^+_i = e \varphi(x)/CU \quad (2)$$

Card 1/ 5

S/120/61/000/002/010/042
E032/E114

A method for measuring the transparency coefficient of a grid in a pulse ionization chamber

where $\varphi(x)$ is the potential at the point x , which appears under the following conditions. The high-voltage electrode and the grid are earthed, the collecting electrode is at a potential U , and there is no space charge. The potential distribution in this case is shown in Fig.1. We are interested in the region between the high-voltage electrode and the grid. At a sufficient distance from the grid the field E_d is a constant, in which case

$$\varphi(x) = E_d x \quad (3)$$

The potential V^+ is then given by

$$V^+ = \sum_{i=1}^N V_i^+ = Ne \bar{R} \cos \theta E_d / CU \quad (4)$$

where \bar{R} is the average distance of the ions from the beginning of the track and θ is the angle between the direction of the track and the normal to the surface of the electrodes. In order to determine E_d the chamber is filled with pure argon and a high
Card 2/ 5

A method for measuring the

S/120/61/000/002/010/042
E032/E114

voltage is applied to the collecting electrode ($U = 2$ kV) while the grid and the high-voltage electrode are earthed. The pressure in the chamber is adjusted so that alpha particles emitted from a source mounted on the high-voltage electrode stop within the region in which the field is still constant. The field E_d which penetrates beyond the grid extracts a fraction of electrons produced by ionization and pulses appear on the collecting electrode. Next, a compensating positive voltage ΔU is applied to the high-voltage electrode and is adjusted until there are no pulses at the collecting electrode. The pulses disappear when the compensating field E'_d and E_d are equal, i.e.

$$E'_d = E_d = \Delta U/d \quad (5)$$

where d is the distance between the high-voltage electrode and the grid. Hence

$$V^+ = Ne \Delta U \tilde{R} \cos \theta / CU d \quad (6)$$

Thus, in order to determine V^+ it is sufficient to carry out a simple experiment involving the determination of the compensating voltage ΔU . The authors recommend pure argon as the working
Card 3/5

S/120/61/000/002/010/042

A method for measuring the transparency.E032/E114

gas. Best results are obtained by determining the compensation point using pulses from the high-voltage electrode, since in this case the sign of the pulses will change at the balance point. In this way an accuracy of 3-5% in $\Delta U/U$ can be achieved. The experimental results are found to be in agreement with those computed by Buneman and Cranshaw and Harvey (Ref.1) (see Table), the discrepancy between the experimental data and the theory being negligible in the case of grids with low transparency. Acknowledgements are expressed to A.P. Komar for interest in this work and to G.Ye. Solyakin for taking part in the discussions. There are 2 figures, 1 table and 2 references: 1 Soviet and 1 English.

ASSOCIATION: Leningradskiy fiziko-tekhnicheskii institut
(Leningrad Physico-technical Institute)

SUBMITTED: March 24 1960

grid	r, mm	r, mm	r, mm	$\sigma_{calc.}$	$\sigma_{exp.}$
1	0.05	1.5	58	0.0065	0.0061
2	0.05	3.0	58	0.0185	0.0143

Card 4/5

15594

S/120/61/000/004/003/034
E032/E514

24.6800

AUTHORS: Vorob'yev, A.A. and Korolev, V.A.

TITLE: A study of the properties of an argon-methane mixture as the working gas of an ionization chamber

PERIODICAL: Pribery i tekhnika eksperimenta, 1961, No.4, pp.42-46

TEXT: W. N. English and G. C. Hanna (Ref.1: Canad.J.Phys., 1953, 31, 768) have recommended argon-methane mixtures as a suitable working gas for ionization chambers. The present authors report some measurements of the properties of such chambers. All the measurements were carried out with a plane ionization chamber containing a grid. The gas mixture was made up of commercial argon (Ar - 99.9%, O₂ - 0.02%, N₂ - 0.08%, CO₂ - 0.005%) and commercial methane. The following quantities were measured: 1) Electron drift velocity, 2) the recombination rate, 3) the magnitude of the saturating field, 4) the electron attachment effect and the maximum permissible field, 5) the average energy of the electrons in the gas and 6) the dependence of the ionization on the energy of α -particles traversing the chamber. It was found that with this gas mixture it is possible to choose the electrode potentials so that:

Card 1/1

29594

A study of the properties of ...

S/120/61/000/004/003/034
E032/E514

1) the recombination effects (between electrons produced during the ionization and the corresponding positive ions) are reduced to a minimum; 2) there is no appreciable attachment of electrons to neutral molecules and 3) the electrons can pass freely through the intermediate grid. The electron collection time can easily be reduced to 1-0.5 μ sec and a plateau of several hundred volts is obtained, e.g. with a methane concentration of 5% the collection time is approximately 0.7 μ sec. The ionization was found to be a linear function of α -particle energy in the range 5.4-8.8 MeV.

An important advantage of the argon-methane mixture is that it does not require any additional purification. Acknowledgments are expressed to A. P. Komar for his interest in this work and to M. F. Sobolevskaya for assistance with the measurements.

There are 5 figures, 1 table and 8 references: 3 Soviet (1 a translation from English) and 5 non-Soviet. The following English-language references are given: Ref.1 (quoted in text), Ref.5: C. E. Melton, G. S. Hurst, T. E. Bortner, Phys.Rev., 1954, 96, 643; Ref.6: G. Bertolini, M. Bettoni, A. Bisi, Phys. Rev., 1953, 92, 1586; Ref.7: D. Strominger, T.M. Hollander, G. T. Seaborg, Rev. Mod. Phys., 1958, 30, 2.

Card 2/3

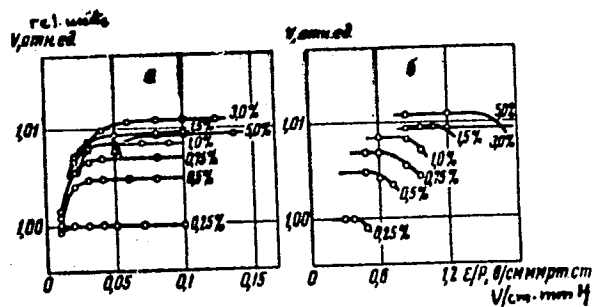
A study of the properties of ...

29594
S/120/61/000/004/003/034
EO32/E514

ASSOCIATION: Fiziko-tekhnicheskiy institut AN SSSR
(Physico-technical institute AS USSR)

SUBMITTED: March 24, 1960

Fig. 3: Amplitude V of pulses at the collecting electrode on:
a - p.d. between high-voltage electrode and the grid and
b - p.d. between the grid and the collector, (methane concentrations
are marked on the curves).



Card 3/14

KOROLEV, V.A.

Some morphologic types of ore bodies in the Kara-Mazar Mountains.
Geol.rud.mestorozh. no.4:98-100 J1-Ag '61. (MIRA 14:10)

1. Karamazarskaya poiskovo-s'yemoch'naya ekspeditsiya.
(Kara-Mazar Mountains--Ore deposits)

88402

S/020/61/136/004/008/026
B019/B056

26.2312

AUTHORS:

Komar, A. P., Academician of the AS UkrSSR, Vorob'yev, A. A.,
and Korolev, V. A.

TITLE:

Measurement of the Fluctuation of Ionization Produced by
 α -Particles in Argon

PERIODICAL: Doklady Akademii nauk SSSR, 1961, Vol. 136, No. 4,
pp. 795 - 797

TEXT: In the introduction, the authors refer to the frequently used measurement of ionization caused by nuclear particles for the purpose of determining the energy of nuclear particles. A relation given by V.Fano (Ref.1) for the mean square fluctuation of the number of ion pairs with constant energy of the ionizing particles is written, and it is found that this formula is suited for determining the upper limit of the mean fluctuation, but not for more exact computations. Besides, Fano assumed that the ratio between the probabilities of the various inelastic processes is independent of the nature and energy of the ionizing particles. The measurements carried out by the authors were made by means

Card 1/4

88402

Measurement of the Fluctuation of Ionization S/020/61/136/004/008/026
Produced by α -Particles in Argon B019/B056

of α -particles emitted by Ra^{224} ($E_\alpha = 5.681 \text{ Mev}$) and of α -particles emitted by Fr^{221} ($E_\alpha = 6.336 \text{ Mev}$). The ionization chamber was filled with chemically pure argon + 1.5% CH_4 , whereby recombination could be prevented under certain conditions. Electronic collimation was used, whereby the resolution and, thus, the quality of the spectrum could be improved. The electronic means for improving the signal-to-noise ratio are briefly described. The measurements are graphically represented in Figs.1 and 2. The half-width of the Ra^{224} α -line is 17 kev and has a mean fluctuation of 7.2 kev. This mean fluctuation δ is composed of $\delta = \sqrt{\delta_N^2 + \delta_p^2 + \delta_o^2}$, where δ_N , δ_p , δ_o are the mean fluctuations which are due to the fluctuations of the ionization, to radio noise, and to other causes. In the case of Ra^{224} , δ_o is negligibly small, and because $\delta_p = 4.7 \text{ kev}$, it follows that: $\delta_N = 5.5 \text{ kev}$. For Fr^{221} , $\delta_N = 6.0 \text{ kev}$ was obtained. From a discussion of the results, the authors conclude that δ_N may be described by

Card 2/4

88402

Measurement of the Fluctuation of Ionization
Produced by α -Particles in Argon

S/020/61/136/004/008/026
B019/B056

$$\delta_N(E_\alpha) = 5.8\sqrt{E_\alpha/6.0} \quad (4)$$

for different E_α . E_α must be given in Mev. In the relation $\delta_N^2 = FN_0$ (1) given by Fano, where N_0 is the mean number of ion pairs, F is found equal to 0.22, and its upper limit is given as $F_{lim} = 0.33$. The authors thank M. F. Sobolevskaya for her help in carrying out the measurements. There are 2 figures and 8 non-Soviet references: 5 US, 1 Canadian, 1 German, and 1 French.

ASSOCIATION: Fiziko-tekhnicheskiy institut Akademii nauk SSSR (Institute of Physics and Technology, Academy of Sciences USSR)

SUBMITTED: November 1, 1960

Card 3/4

88402

S/020/61/136/004/008/026
B019/B056

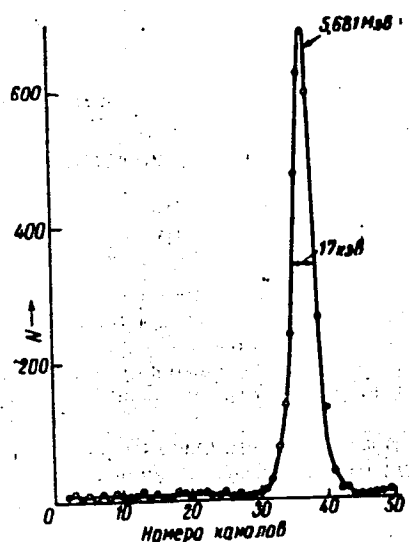
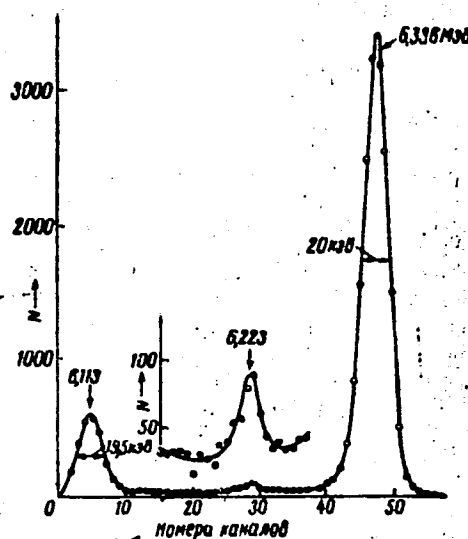


Рис. 1. α -Спектр Ra^{226}
(Fig. 1)

Card 4/4



(Fig. 2)
Рис. 2. α -Спектр Fr^{221}

20318

S/020/61/137/001/009/021
B104/B209

9.9100 (2nd 1041)
26.2312

AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Komar, A. P., Academician AS UkrSSR,
and Korolev, V. A.

TITLE: The possibilities of reducing the effect of ionization
fluctuations in gases

PERIODICAL: Doklady Akademii nauk SSSR, v. 137, no. 1, 1961, 54-57

TEXT: The authors based their work on a paper by Fano (Ref. 1: U. Fano, Phys. Rev., 72, 26 (1947)), in which an expression was obtained for the mean square fluctuations of the number of ion pairs at a constant energy of the ionizing particles. Fano's calculations show that these fluctuations are determined chiefly by the redistribution of ionized and excited atoms. Evidently, their total amount fluctuates less. The authors have now determined the amount of fluctuations of the total ionization, taking Fano's method as a basis. In this manner, they obtained the mean square fluctuation δ_J^2 of the total ionization \bar{J} :

Card 1/4

20318

35

S/020/61/137/001/009/021
B104/B209

The possibilities of reducing ...

$\delta_J = \frac{A^2}{N_0 P} \left(n_k - \frac{E_k}{W} \right)^2 = \frac{F}{N_0}$. N_0 denotes the mean number of ion pairs,
 $W = W_0 / (1 + \sigma(1-P)/P) = W_0 A$, $P = \sum_k P_k^i$ the total probability of
ionization in inelastic collision, W_0 the mean energy of ion pair
production without additional ionization, and n_k the number of ions
produced in the k -th collision. The relations

$$F = \Phi(\sigma) + \frac{1}{PW_0^2} \left[\sum_{\text{non}} P_k^i (W_i - E_k^i)^2 + \sum_{\text{exc}} P_k^e (W_e - E_k^e)^2 \right]; \quad (8a) \quad (8a)$$

$$\Phi(\sigma) = \frac{1}{W_0^2} \left[(W - W_i)^2 + \sigma \frac{1-P}{P} (W - W_e)^2 + \frac{1-P}{P} (1-\sigma) W_e^2 \right]. \quad (8b) \quad (8b)$$

are obtained for F . The last two terms in (8a) are due to fluctuations
of the energy losses during ionization and excitation, and do not depend

Card 2/4

00318

S/020/61/137/001/009/021
B104/B209

The possibilities of reducing ...

on the additional ionization. $\Phi(\sigma)$ is determined by the redistribution of the number of ionized and excited atoms, as well as by the fluctuations arising in the additional ionization. In the limiting case where additional ionization is missing ($\sigma = 0$), Eq. (8a) goes over into the formula of Fano. Fig. 1 shows the ratio Φ/Φ_0 as depending on the probability σ of additional ionization for He and Ar. It is seen that $\Phi(\sigma)$ for argon drops to nearly one-thirtieth with rising probability, and for helium it drops to nearly one-hundredth. The first of the terms appearing in (8a) was found to be always about 0.03, and the second is negligible. From this it follows that the accuracy of measurement of the energy of ionizing particles is considerably improved by recording all ionized and excited atoms. There are 1 figure and 3 non-Soviet-bloc references.

ASSOCIATION: Fiziko-tekhnicheskiy institut Akademii nauk SSSR
(Institute of Physics and Technology of the Academy of
Sciences USSR)

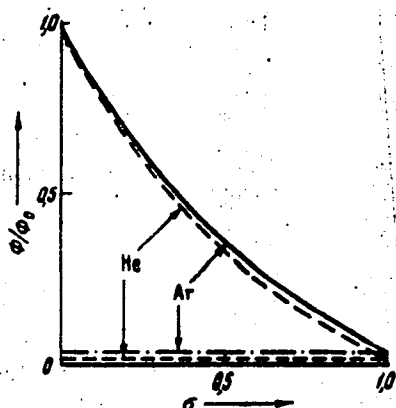
Card 3/4

20318

S/020/61/137/001/009/021
B104/B209

The possibilities of reducing ...

SUBMITTED: December 9, 1960



Card 4/4

APPROVED FOR RELEASE: 06/14/2000

CIA-RDP86-00513R000824820002-5

S/056/62/043/002/000/033
B102/B104

17

26.2311
AUTHORS: Vorob'yev, A. A., Komar, A. P., Korolev, V. A.

TITLE: Decrease of ionization fluctuations of α -particles in argon

PERIODICAL: Zhurnal eksperimental'noy i teoreticheskoy fiziki, v. 43,
no. 2(8), 1962, 426-428

TEXT: The authors had shown earlier (DAN SSSR, 137, 54, 1961) that the ionization fluctuations associated with redistributions of the numbers of excited and ionized molecules can be reduced by adding a gaseous impurity with an ionization potential lower than the energy of the lowest excited level of the principal component. Here, the authors tried to check this possibility by experiment. They used a pulsed ionization chamber filled with argon containing 0.17 % N_2 , 0.02 % O_2 , and an acetylene impurity. As

its ionization potential of 11.35 eV is lower than the lowest argon level (11.5 eV), the acetylene addition increases the ionization. The ionization fluctuations were calculated from the half-width of the α -line

($E_\alpha = 5.631$ MeV) of Ra^{224} ; for comparison, the measurements were repeated

Card 1/2

KOROLEV, V.A.; STRIZHEVSKIY, F.A., prepodavatel'

Operation of diesel locomotives by the Tashkent Railroad on
lengthened closed cycles. Elekt.i tepl. tiaga 5 no.10:18-19
O '61. (MIRA 14:10)

1. Zamestitel' nachal'nika sluzhby lokomotivnogo khozyaystva
Tashkentskoy dorogi (for Korolev). 2. Samarkandskiy
zheleznodorozhnyy tekhnikum (for Strizhevskiy).
(Railroads--Management)

KOROLEV, Vitaliy Arkad'yevich, inzh.; KASHTANOV, F., red.;
KARPINOVICH, Ya., tekhn. red.

[Automation in machine and assembly shops] Avtomatizatsiya
v mekhanosborochnykh tsekhakh; iz opyta raboty Minskogo
traktornogo zavoda. Minsk, Gos.izd-vo BSSR, Redaktsiya pro-
izvodstvennoi lit-ry, 1963. 62 p. (MIRA 16:5)

1. Minskii traktornyy zavod (for Korolev).
(Minsk--Tractor industry) (Automation)

VOROB'YEV, A.A.; KOMAR, A.P.; KOROLEV, V.A.

Decrease of the fluctuations of ionization produced by α -particles
in argon. Zhur. eksp. i teor. fiz. 43 no.2:426-428 Ag '62.
(MIRA 16:6)

1. Fiziko-tekhnicheskiy institut imeni A.F.Ioffe AN SSSR.
(Ionization) (Alpha rays) (Argon)

VEDENSKIY, O.N.; DMITRIYEV, N.I.; KOROLEV, V.A.; TURGUNOV, D.T.;
MEL'NIKOV, V.Ye., red.; MEDVEDEV, G.G., inzh., ~~res~~sonzent;
MURAV'YEVA, N.D., tekhn. red.

[Maintenance and repair of TGM3 diesel locomotives in the
depot] Remont teplovozov TGM3 v depo. Moskva, "Transport,"
1964. 107 p. (MIRA 17:3)

KOROLEV, V.A., inzh. (Tashkent); NIKITIN, V.I., inzh. (Tashkent)

Current maintenance of diesel locomotives on lengthened haul
distance sections. Zhel.dor.transp. 45 no.10:64-66 0 '63.
(MIRA 16:11)

1. Nachal'nik lokomotivnogo otdela Tashkentskogo otdeleniya
Sredneaziatskoy dorogi (for Korolev).

ACCESSION NR: AP4033111

S/0120/64/000/002/0069/0071

AUTHOR: Alkhazov, G. D.; Vorob'yev, A. A.; Korolev, V. A.;
Seliverstov, D. M.

TITLE: Simple counting unit for a slow multichannel analyzer

SOURCE: Pribury* i tekhnika eksperimenta, no. 2, 1964, 69-71

TOPIC TAGS: pulse height analyzer, multichannel pulse height analyzer, slow
multichannel analyzer, pulse counter, pulse counting unit

ABSTRACT: A simple counting unit intended for low (up to 100 pulse/sec)
counting rates is described. The unit is recommended for long-duration few-
pulse applications where reliability is the main requirement. The 32-tube
counting unit was used in a 20-channel time analyzer and tested for several
months under actual operating conditions. The a-c line supply voltage is
stabilized by a ferroresonance stabilizer only; variation of the plate voltage

Card 1/2

ACCESSION NR: AP4033111

within 200—250 v does not result in false operation. The power consumption is 200 w. A simplified connection diagram is shown and explained in the article. Orig. art. has: 1 figure.

ASSOCIATION: Fiziko-tekhnicheskiy institut AN SSSR (Physico technical Institute, AN SSSR)

SUBMITTED: 20Apr63

ATD PRESS: 3060

ENCL: 00

SUB CODE: EC

NO REF SOV: 000

OTHER: 000.

Card 2/2

KOROLEV, V.A.; NIKIFOROV, N.A.; KUDRYAVTSEV, N.A.

Letters to the editors. Uzb. geol. zhur. 8 no.4:86-89 '64
(MIRA 18:5)

1. Sredneaziatskiy nauchno-issledovatel'skiy institut geologii i
mineral'nogo syr'ya, Tashkent, i Tashkentskiy politekhnicheskii
institut.

KOROLEV, V.A., inzh.; KIKLEVICH, K.A., inzh.

Mechanization of the removal and conveying of scrap metals.
Mekh. i avtom. proizv. 19 no.7:18-24 J1 '65. (MIRA 18:9)

KOROLEV, V.B.

The KS-13 automatic checking and sorting machine. Biul.tekh.-
ekon.inform. no.9:47-49 '61. (MIRA 14:9)
(Sorting devices)

KOROLEV, V. D.

AUTHORS: Kolpashnikov, A.I., Candidate of Technical Sciences, and
Chia-Ming-Kuang, Korolev, V.D., Engineers
TITLE: New Developments in the Production of Sheets From Aluminium
and its Alloys (Novoye v proizvodstve listov iz alyuminiya
i ego splavov)

PERIODICAL: Tsvetnyye Metally, 1958, Nr 5, pp 62 - 70 (USSR)

ABSTRACT: The authors give a condensed account of the results of
their work on the improvement of the technology of alu-
minium and aluminium alloy sheet production. This has
already been published in "Aviatsionnyye materialy", 1957,
nr 2 (Pekin, Chinese People's Republic). Their conclusions
are that their investigations have established the possi-
bility of hot-rolling ingots without edge trimming and of
raising the reductions in cold-rolling to 90% and over
without having to resort to intermediate annealing and
without impairing mechanical properties, surface quality
or structure. The new technology has been adopted

Card 1/2

SOV/136-58-5-11/22
new Developments in the Production of Sheets from Aluminium and its
Alloys

at Soviet and Chinese works.
There are 6 figures and 5 tables

1. Aluminum--Processing
2. Aluminum alloys---Processing
3. Sheets--Production

Card 2/2

L 00752-67 EWT(d)

ACC NR: AP6024190

SOURCE CODE: UR/0424/66/000/002/0191/0192

30
B

AUTHOR: Korolev, V. D. (Moscow)

ORG: none

TITLE: Investigation of the stability of a gyrocompass with the methods of nonlinear mechanics

SOURCE: Inzhenernyy zhurnal. Mekhanika tverdogo tela, no. 2, 1966, 191-192

TOPIC TAGS: gyrocompass, nonlinear equation, nonlinear vibration

ABSTRACT: The conditions for instability of a gyrocompass in the case of uniform ship circulation

$$\Omega(t) \approx -\mu \omega \sin(\omega t - K_0)$$

are determined using the asymptotic method of Krylov-Bogolyubov and a variant of the small parameter method. The system of differential equations describing the small oscillations of the sensing element of the gyrocompass is written in the form:

$$\begin{aligned} \ddot{\xi}_1 + 1/2(p^2 + v^2 - (p^2 - v^2) \cos 2\theta) \xi_1 - 1/2(p^2 - v^2) \sin 2\theta \xi_2 &= 0 \\ \ddot{\xi}_2 + 1/2(p^2 + v^2 + (p^2 - v^2) \cos 2\theta) \xi_2 - 1/2(p^2 - v^2) \sin 2\theta \xi_1 &= 0 \end{aligned}$$

where

$$\begin{aligned} \xi_1 &= x_1 \cos \theta - x_2 \sin \theta, \\ \xi_2 &= x_1 \sin \theta + x_2 \cos \theta, \end{aligned} \quad \theta = \int_0^t \Omega(\tau) d\tau$$

Card 1/2

KOROLEV, V.D. (Moskva)

Stability of a two-rotor gyrocompass. Izv. AN SSSR. Mekh. no.5:141-143
S-0 '65. (MIRA 18:10)

SOV/136-59-4-12/24

AUTHORS: Kolpashnikov, A.I., Candidate of Technical Sciences and Korolev, V.D., Engineer

TITLE: Homogenisation of Duralumin Ingots in Modern Air-Circulating Electric Furnaces (Gomogenizatsiya slitkov duralyumina v sovremennykh elektropechakh s vozdushnoy tsirkulyatsiyey)

PERIODICAL: Tsvetnyye metally, 1959, Nr 4, pp 64-69 (USSR)

ABSTRACT: In the production of strip, homogenisation is important as it achieves the following: 1) an improvement in the mechanical properties and in the structure; 2) a decrease in anisotropy of mechanical properties occurring during rolling; 3) removal of internal stresses and 4) an improvement in anticorrosion properties. The present work investigated the rate of heating, the time of heating and the rate of cooling. The homogenising temperature must be lower than the eutectic temperature. The temperatures most likely to be useful were found by heating and examining metallographically. The influence of the homogenising treatment at various temperatures on the structure and mechanical properties was investigated.

Card 1/3

SOV/136-59-4-12/24

Homogenisation of Duralumin Ingots in Modern Air-Circulating Electric Furnaces

The alloys used were D16 (4.5 Cu, 1.5 Mg, 0.6 Mn, 0.3 Fe, 0.25 Si) and D1 (4 Cu, 0.7 Mg, 0.6 Mn, 0.3 Fe, 0.5 Si) and the homogenising temperatures varied from 400 to 500°C (tables 2 and 3). The influence of soaking time at 490°C is given in Fig 1. Increase in time results in increased plasticity (e.g. D1 increases from 2.7 to 8% after 36 hours). Fig 2 shows the effect of different treatments. 2 Hours at 400 and 6 hours at 440-460°C have little effect on the mechanical properties. The metallographic structures show no solution of the second phase. Even with 36 hours at 440-460° there is no significant difference in the plasticity or the structure. An analysis of the mechanical properties and the structures showed that the most efficient homogenising treatment was 6-12 hours at 500°C. This gave the optimum plasticity and allowed successful hot or cold rolling. It enabled hot rolling without scrap on the edges and cold rolling without any intermediate temper. Thus output

Card 2/3

SOV/136-59-4-12/24

**Homogenisation of Duralumin Ingots in Modern Air-Circulating
Electric Furnaces**

could be increased by 7-8%. The influence of homogenising treatment on the mechanical properties of hot-rolled specimens is shown in Fig 3, 4 and 5 and cold-rolled specimens in Fig 6 (the broken line is after homogenising). It can be seen that good properties are obtained after hot or cold rolling. Hot rolling with a finishing temperature of 380-400° followed by a slow cool to 240-250° gave good plasticity. The change in properties of 1 mm strip with homogenising treatment is shown in Fig 7. An air-circulating furnace (type Gidroaviaprom) gave good results. There are 7 figures, 3 tables and 3 Soviet references.

Card 3/3

L 23616-66 EWT(1)/FCC GW

ACC NR: AP6009539

(A, U)

SOURCE CODE: UR/0413/66/000/005/0075/0075

AUTHOR: Samoylenko, V. P.; Korolev, V. D.

29
B

ORG: none

TITLE: A magnetosensitive system for a magnetometer. Class 42, No. 179484 [announced by the Special Design Bureau of the State Geological Committee, SSSR (Osoboye konstruktorskoye byuro Gosudarstvennogo geologicheskogo komiteta SSSR)]

SOURCE: Izobreteniya, promyshlennyye obraztsy, tovarnyye znaki, no. 5, 1966, 75

TOPIC TAGS: magnetometer, magnetic field intensity

ABSTRACT: This Author's Certificate introduces a magnetosensitive system for a magnetometer. The unit contains a permanent indicator magnet mounted on tension wires. The frequency range of measurable variations is expanded by making the indicator magnet from a highly coercive barium ferrite in the form of a parallelepiped with the long axis parallel to the filament. The length of the edge parallel to the filament is at least twice as long as the axis of magnetization.

SUB CODE: 08/4/

SUBM DATE: 02Jan64/

ORIG REF: 000/

OTH REF: 000

UDC: 550.380.8

Card

KOIPASHNIKOV, A.I., kand.tekhn.nauk; KOROLEV, V.D., inzh.

Industrial processes in the production of aluminum alloy
sheets. Trudy MATI no.44:39-46 '60. (MIRA 13:6)
(Aluminum alloys) (Rolling(Metalwork))

OSETROV, P.P.; SOKOLOV, N.V.; KOROLEV, V.D.; DEMENT'YEV, V.F.; KUZNETSOVA, R.M.

High durability drilling ropes. Metallurg 7 no.12:28 D '62.
(MIRA 15:12)

1. Beloretskiy staleprovolochno-kanatnyy zavod.
(Wire rope)

L 5226-66 EWT(d) BC

ACC NR: AP5026933

SOURCE CODE: UR/0373/65/000/005/0141/0143

AUTHOR: Korolev, V. D. (Moscow)

ORG: none

3 /
27
8

TITLE: Stability of a two-rotor gyrocompass 9,44

SOURCE: AN SSSR. Izvestiya. Mekhanika, no. 5, 1965, 141-143

TOPIC TAGS: stability criterion, gyrocompass, integral equation, approximation method

ABSTRACT: A new technique is outlined for integrating the free oscillation equation of sensitive elements in a gyrocompass. Starting with the set of differential equations for a two-rotor gyrocompass, the following integral equation is obtained

$$x_1 = -x_{10} \cos vt \sin \theta(t) - x_{20} \sin vt \sin \theta(t) + x_{30} \sin vt \cos \theta(t) + x_{40} \cos vt \cos \theta(t) - \\ - (z - v) \int_0^t x_1(\tau) \sin v(t - \tau) \cos [\theta(t) - \theta(\tau)] d\tau \quad (\theta(t) = \int_0^t \Omega(\xi) d\xi)$$

Card 1/2

L 5195-66

ACC NR: AP5025071

0

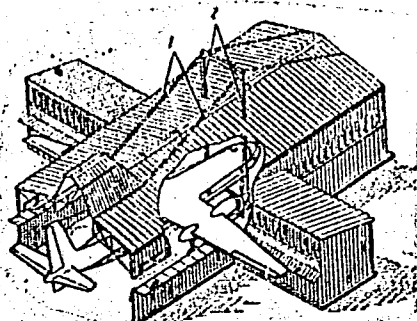


Fig. 1. 1- guy wires; 2- columns

Orig. art. has: 1 figure.

SUB CODE: AO/

SUBM DATE: 23Mar64

Card 2/2. *nd*

29560
S/122/61/000/005/011/013
D221/D304

1.1950

AUTHORS: Kogan, M.G., Candidate of Technical Sciences,
Korolev, V.F., Kleymenov, A.I., and Baranov, L.N.,
Engineers

TITLE: Baths for ultrasonic cleaning of components

PERIODICAL: Vestnik mashinostroyeniya, ⁴¹no. 5, 1961, 68 - 69

TEXT: The Scientific Research Technological Institute developed a series of baths, Y3B-15-Y3B-18 (UZV-15-UZV-18) for ultrasonic cleaning of components. They are made of stainless steel, and sources of ultrasonic vibrations of 20 Kc, in the form of magnetostrictive transformers, type ПМС-6М (PMS-6M) are fixed into their bottom. The radiation diaphragm of each transformer is a square with a 300 mm side. The baths are enclosed into soundproof casings, which form a decorative facing at the same time. Seals are provided in the covers of sound insulating casings. An outlet is fixed under the cover, and the former is connected to the ventilation system of the shop. The coiled pipe in the bath is used for feeding

Card 1/3

29560
S/122/61/000/005/011/013
D221/D304

Baths for ultrasonic cleaning ...

cold or hot water to control the temperature of the cleaning fluid. The vibrators are cooled with normal feed water which is consumed at the rate of 3 l/min per vibrator. Generators Y3Г-10 (UZG-10) and UZG-2.5 supply the oscillatory power (10 and 2.5 kw respectively). Cleaning the components is achieved by organic dissolvents or in water solutions of alkalis and synthetic surface active substances. The use of acids is limited by cavitation and corrosion resistance of baths and of the radiation surface of vibrators. Gasolene Гало-ша (Galosha) as per ГОСТ- (GOST)443-56, is the most widely used organic dissolvent for removing grease and mechanical ingress of dirt. Cleaning components of resins and nitroenamels takes place in acetone mixed with alcohol, at a temperature of 30°C. Use of chloride organic dissolvents is restricted by their toxicity. Normally, cleaning in organic dissolvents is accomplished in two or three consecutive baths, the last one for final cleaning. The duration of operation depends on the degree of dirt and the form of components, and varies from 2 to 5 minutes. Cleaning in water solutions of alkalis and synthetic surface active substances takes place in one bath. A description is given of materials employed and

Card 2/3

TURGUNOV, Dadakhan Turgunovich; DMITRIYEV, Nikolay Ivanovich;
BELEN'KIY, Aleksandr Davidovich; KOROLEV, Vsevolod
Aleksandrovich; CHERNYSHEV, V.I., red.

[Specialization of diesel locomotive depots; from the
experience of the Central Asian Railroad] Spetsializa-
tsiia teplovoznnykh depo; iz opyta Sredneaziatskoi dorogi.
Moskva, Izd-vo "Transport," 1964. 49 p. (MIRA 17:8)

KOROLEV, V. F.

20932 Korolev, V. F. Mekhanicheskoye doyneniye korv. Sbornik dokladov Pervoy
Vseroyuz. Konf-tsiy po moloch delu. M., 1949, s. 236-42

SO: LETCPIS ZHURNAL STATEY - Vol. 28, Moskva, 1949